ओडिशा में विश्व की पहली मेलानिस्टिक टाइगर सफारी

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

ओडिशा द्वारा **समिलीपाल टाइगर रिज़र्व (STR)** के निकट स्थापित **विश्व की पहली मेलानिस्टिक टाइगर सफारी** का अनावरण किया जाएगा।

मेलानिस्टिक टाइगर सफारी के लिये ओडिशा का दृष्टिकोण :

- **मेलानिज़्म तथा मेलानिस्टिक टाइगर:** मेलानिज़्म एक आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप मेलानिन की मात्रा बढ़ जाती है जिससे जानवरों की त्वचा अथवा बालों का रंग **लगभग या पूरी तरह से काला** होता है।
  - **समिलीपाल के रॉयल बंगाल टाइगर्स** का संबंध एक विशेष वंश से है जिनमें मेलानिन की अत्यधिक मात्रा होती है जिसके परिणामस्वरूप बाघों के शरीर पर काली तथा पीली अंतर-छिद्रित धारियाँ विकसित होती हैं जो उन्हें स्यूडो अथवा छद्म-मेलानिस्टिक बनाते हैं।
    - **अखिल भारतीय बाघ अनुमान, 2022** के अनुसार समिलीपाल टाइगर रिज़र्व में 16 बाघ हैं जिनमें से 10 मेलानिस्टिक गुण हैं।
- **सफारी की अवस्थिति: धनबाद-बालासोर राष्ट्रीय राजमार्ग-18** के निकट लगभग 200 हेक्टेयर में विस्तारित यह सफारी स्थल STR के समीप स्थित है जिसका परिदृश्य समिलीपाल के सामान है।
  - प्रारंभ में **सफारी के परिबद्ध घेरे में, नंदनकानन चिड़ियाघर** के तीन मेलानिस्टिक बाघ के साथ-साथ अन्य बचाए गए अथवा अनाथ बाघों को रखा जाएगा।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य मेलानिस्टिक बाघों की संरक्षण आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, शोधकर्त्ताओं तथा इच्छुक लोगों को इन दुर्लभ बड़ी बिल्लियों के साथ जुड़ने के लिये एक मंच प्रदान करना है।
- **अनुमोदन:** इस परियोजना के लिये **केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण** तथा देश में वन्यजीव पहल की देखरेख करने वाले अन्य नियामक निकायों से अनुमोदन की आवश्यकता है।
  - **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण समिति** द्वारा अंतिम मंज़ूरी देने से पूर्व इस प्रस्तावित स्थल का व्यवहार्यता संबंधी अध्ययन किया जाएगा।

बाघों में अन्य रंग भिन्नताएँ क्या हैं?

- **काली अथवा भूरी धारियों वाला ऑरेंज टाइगर:** यह बाघ का सबसे सामान्य तथा व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त प्रकार है। **उदाहरणार्थ रॉयल बंगाल टाइगर।**
  - प्रत्येक बाघ का धारी पैटर्न अद्वितीय होता है जो प्राकृतिक आवास में छद्मावरण (Camouflage) के रूप में कार्य करता है।
- **व्हाइट टाइगर: उन्हें एक अलग उप-प्रजाति नहीं माना जाता है। व्हाइट टाइगर के फर का रंग ल्यूसिज़्म नामक आनुवंशिक उत्परिवर्तन का परिणाम है।**
  - **ल्यूसिज़्म** एक आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप **जानवरों में रंजकता कम** हो जाती है, जिससे उनकी **त्वचा अथवा शल्क सफेद या हल्के रंग** के हो जाते हैं।
- गोल्डन टाइगर: **इन्हें बाघों की उप-प्रजाति भी नहीं माना जाता है क्योंकि उनके सुनहरे रंग में भिन्नता "वाइडबैंड" नामक एक अप्रभावी जीन की उपस्थिति के कारण होती है।**
  - **वाइडबैंड जीन बालों के विकास के चक्र के दौरान मेलेनिन उत्पादन** को कम कर देता है।
  - हाल ही में इसे **काज़ीरंगा नेशनल पार्क** में देखा गया।

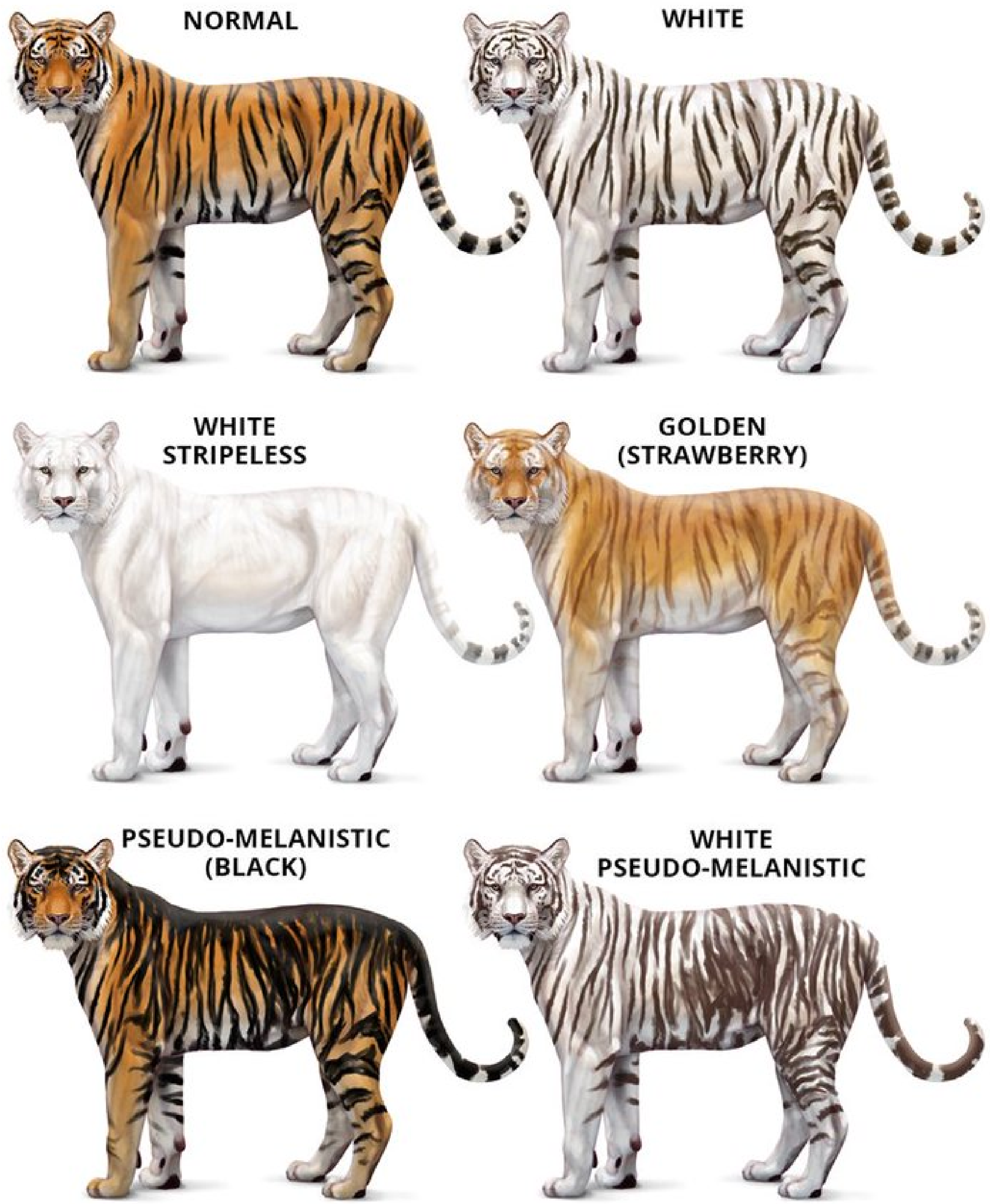

// MONIKA ZAGROBELNA

समिलीपाल टाइगर रज़िर्व:

- **अवस्थतिि:** समिलीपाल दक्कन प्रायद्वीप जैव-भौगोलकि क्षेत्र में स्थति है।
- **वनस्पतयिाँ**: इसमें उष्णकटबिंधीय अर्द्ध-सदाबहार वन, उष्णकटबिंधीय नम पर्णपाती वन, शुष्क पर्णपाती पहाड़ी वन और वशिाल घास के मैदान मौजूद हैं।

- **फ्लोरा**: भारत के 7% फूल वाले पौधे और 8% ऑर्कडि प्रजातियाँ यहीं हैं।
- **वनस्पति और जीव:** 55 स्तनपायी प्रजातियाँ, 361 पक्षी प्रजातियाँ, 62 सरीसृप प्रजातियाँ, 21 उभयचर प्रजातियाँ और असंख्य कीड़े तथा सूक्ष्म जीवों का घर।
  - बाघों के अलावा प्रमुख प्रजातियों में **सांभर, चीतल, भौकने वाला हरिण, गौर और माउस हरिण, तेंदुए, मछली** पकड़ने वाली **बल्लिी** आदि शामलि हैं।
  - प्रबंधन प्रयासों ने *????? ?? ???? ???????* के कनिारे **मगरमच्छों की आबादी** को पुनर्जीवति कर दयिा है।
- इसे वर्ष 2009 से **[ग्लोबल नेटवर्क ऑफ बायोस्फयिर](#)** साइट के रूप में भी नामति कयिा गया है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नम्निलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि: (2013)

राष्ट्रीय उद्यान	**-**	**पार्क से बहने वाली नदी**
1. कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान	-	गंगा
2. काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	-	मानस
3. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान	-	कावेरी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. नम्निलखिति बाघ आरक्षति क्षेत्रों में से "क्रांतकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र कसिके पास है? (2020)

(a) कॉर्बेट
(b) रणथंभौर
(c) नागार्जुनसागर-श्रीशैलम
(d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न. "वभिन्नि प्रतस्पिर्द्धी क्षेत्रों और हतिधारकों के बीच नीतगित वरिोधाभासों के परणािमस्वरूप पर्यावरण के अपर्याप्त 'संरक्षण एवं गरिावट की रोकथाम' हुई है।" प्रासंगकि दृष्टांतों के साथ टप्पिणी कीजयि। (2018)